

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—स्प-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

नई हिल्ली, बृहस्पतिबार, सितब्बर 24, 1998/आविबन 2, 1920 NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 24, 1998/ASVINA 2, 1920

गृह मंत्रालव अधिमूचना

महं दिल्ली, 24 फ़ितम्बर, 1998

का. थर. 853 (अ)—संविधान के अनुच्छेद 239 के खण्ड (1) त्यांत प्रवस्त शिक्षा स्वाप्त प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, एतद्क्षारा निर्देश कि उनके निर्वेत्रण के अध्यथीन और अगले आदेशों तक, राष्ट्रीय ते तेत्र दिल्ली के उप-राज्यपाल 'लोक व्यवस्था', 'पुलिस' और ओं सन्बन्धी मामलीं में उनको राष्ट्रपति द्वारा समय-समय पर वेगित सीमा तक राष्ट्रीय राजधानी केन्न दिल्ली के मुख्यमंत्री के परामर्श का सरकार की शक्तियों का प्रयोग और दिल्ली के मुख्यमंत्री के परामर्श का सरकार की शक्तियों का प्रयोग और दिल्ली के नुख्यमंत्री के परामर्श का सरकार की शक्तियों का प्रयोग और दिल्ली के नुख्यमंत्री के परामर्श का सरकार की शक्तियों का प्रयोग और दिल्ली के नुख्यमंत्री के परामर्श का सरकार की शक्तियों का प्रयोग और दिल्ली के निर्देश करें की को खोड़कर करेंगे जिनके लिए लिखित में कारण दर्ज हों और वह सीपना उचित न समझें।

[का. सं.-यू-11030/2/98-यू.सी.एल.(288)] र्षा. के. कलाली, संदक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 24th September, 1998

S.O. 853(E).—In pursuance of the powers conferred under clause (1) of article 239 of the Constitution, the President hereby directs that subject to his control and until further orders, the Lieutenant Governor of the National Capital Territory of Delhi, shall in respect of matters connected with 'Public Order', 'Police' and 'Services' exercise the powers and discharge the functions of the Central Government, to the extent delegated from time to time to him by the President, in consultation with the Chief Minister of the National Capital Territory of Delhi except in those cases where, for reasons to the recorded in writing, he does not consider it expedient to do so.

[F.No. U-11030/2/98-UTL (288)] P. K. JALALI, Jt. Secy.